www.awgp.org | www.vicharkrantibooks.org

हमारे आचार्य जी

-एक परिचय-

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

: BOOK MADE AVAILABLE FOR DIGITIZATION BY :

BRAHMVARCHAS SHODH SANSTHAN
SHANTIKUNJ, HARIDWAR, INDIA

: OUR MAIN CENTERS :

Shantikunj, Haridwar,
Uttaranchal, India – 249411
Phone no : 91-1334- 260602,
Website : www.awgp.org
E-mail : shantikunj@awgp.org

Gayatri Tapobhumi,
Mathura, U.P., India – 281003
Phone no : 91-0565-2530128,
Website : www.awgp.org
E-mail : yugnirman@awgp.org

: BOOK DIGITIZED BY :

Vicharkranti Pustakalay, Thana-Faliya, Dindoligam, Surat-394210, Gujarat, India
E-mail: vicharkranti.awgp@gmail.com | Website : www.vicharkrantibooks.org

www.awgp.org | www.vicharkrantibooks.org

श्रीराम शर्मा आचार्य-एक परिचय

— आयु— ७८ वर्ष। * रहन - सहन— औसत नागरिक स्तर का। * स्वभाव— बालकों जैसा, सरल, सौम्य, निश्चिन्त। * स्वास्थ्य — शारीरिक और मानसिक दृष्टि से पूर्ण स्वस्थ। * समय क्षेप— विगत पाँच वर्ष से एकान्त सेवन। अध्यात्म प्रयोग, परीक्षण, अभ्यास में निरत। * पैतृक सम्पदा— पूर्णरूपेण विसर्जन, जन्मभूमि में बालक इंटर कॉलेज और बालिका इंटरमीडीएट कॉलेज के निर्माण हेतु। * सपत्नीक निवास— दोनों का सहयोग गाड़ी के दो पहियों जैसा अनन्य, ऋषियों जैसा सादा सरल जीवन। * वर्तमान सम्पत्ति— शून्य। * पूँजी— जीवन भर की अन्यतम उपासना, जीवन साधना। इस उपार्जन का विनियोग जन कल्याण के लिए। * व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षायें—कभी सोचा ही नहीं। व्यक्तिगत मुक्ति का कभी न चिन्तन किया, न वह लक्ष्य है। लोकमंगल के लिए ही जीवन भर उपासना की व करते रहने का संकल्प है। श्रद्धावश सभी परिजन उन्हें गुरुदेव नाम से सम्बोधित करते हैं।

आध्यात्मिक जीवनक्रम:— पन्द्रह वर्ष की आयु से अब तक प्रखर तपश्चर्या सहित नियमित गायत्री साधना में संलग्नता। * सन् १९२७ से सन् १९४५ तक कांग्रेस स्वयंसेवक के रूप में राष्ट्रीय आन्दोलन में संलग्नता। * स्वतन्त्रता सेनानी, गाँधीवादी, खद्दर व्रती। * स्वतन्त्रता आन्दोलन से निवृत्त होते ही धर्म तन्त्र के माध्यम से लोक शिक्षण कार्यक्रम के अपने निर्धारण।

—तीन कार्यों में अब तक का समय नियोजित हुआ— १. निजी साधना, २. लोक मानस का परिष्कार, ३. सत्प्रवृत्ति सम्वर्धन और दुष्प्रवृत्ति उन्मूलन के लिए सशक्त आन्दोलन। * सेवा कार्यों का आरम्भ— युग निर्माण योजना आश्रम मथुरा से। विगत बीस वर्ष से हरिद्वार शान्ति कुञ्ज में निवास।

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

www.awgp.org | www.vicharkrantibooks.org

प्रगतिशील साहित्य सृजन:— [१] चारों वेदों का भाष्य (आठ जिल्दों में), [२] १०८ उपनिषदों का भाष्य (तीन जिल्दों में), (३) छहों दर्शनों का भाष्य (छह जिल्दों में), [४] चौबीस स्मृतियों का भाष्य (दो जिल्दों में), [५] चौबीस गीताओं का भाष्य (दो जिल्दों में), [६] गायत्री महाविज्ञान (तीन जिल्दों में), [७] गायत्री यज्ञ विधान (दो जिल्दों में), [८] योग वशिष्ठ (दो जिल्दों में), [९] अठारह पुराण (१८ जिल्दों में), [१०] प्रज्ञा-पुराण (स्वरचित, ४ खण्डों में ५वाँ प्रकाशनाधीन) । इनके अतिरिक्त व्यवहारिक जीवन में अध्यात्म दर्शन के समावेश विषय पर प्राय: ५०० पुस्तकें हिन्दी व अंग्रेजी सहित अन्यान्य भाषाओं में छपी हैं ।

पत्रिकायें:— * अखण्ड ज्योति हिन्दी मासिक ५२ वर्ष से प्रकाशित । * युग निर्माण योजना हिन्दी मासिक, * युग शक्ति गुजराती, * युग शक्ति उड़िया, * युग शक्ति मराठी, * तमिल अखण्ड ज्योति, * तेलगू अखण्ड ज्योति । इन पत्रिकाओं की कुल स्थायी ग्राहक संख्या प्राय: ५ लाख । प्रत्येक को न्यूनतम ५ पाठक निश्चित रूप से पढ़ते हैं, जो गुणित हो पच्चीस लाख हो जाते हैं ।

संगठन:— मिशन की पत्रिकाओं का हर सदस्य, अपने आपको प्रज्ञा परिवार का सदस्य अनुभव करता है और अपने जैसे पाँच व्यक्तियों की मण्डली गठित कर लेता है । वे नव सम्मिलित व्यक्ति भी चार-चार साथी और तलाश करते हैं, तथा अपनी पूरी इकाई पच्चीस की बना लेते हैं । इसी को प्रज्ञा मण्डल कहा जाता है । साप्ताहिक सत्संग इनका प्रमुख कार्यक्रम है, जिसमें गत सप्ताह के अनुभव और अगले सप्ताह के निर्धारणों पर विचार विनिमय चलता है ।

— प्रज्ञा मण्डलों का वर्ष में एक बार दीप यज्ञ के माध्यम से भाव भरा सम्मेलन समारोह होता है । इतने कम खर्च में, इतने श्रद्धासिक्त धर्मानुष्ठान कदाचित् ही और कहीं हो पाते हैं । राष्ट्रीय स्तर पर हजारों राष्ट्रीय एकता सम्मेलन प्रतिवर्ष सम्पन्न होते हैं, जिनमें हजारों विभिन्न धर्मावलम्बी भाग लेते हैं ।

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

www.awgp.org | www.vicharkrantibooks.org

—एक से पाँच, पाँच से पच्चीस, उसी प्रकार यह संगठन उपक्रम निरन्तर विस्तृत होता जाता हैं। आशा की गई है कि कुछ ही गुणांक चक्रों में करोड़ों व्यक्तियों को इस सृजन संगठन में सम्मिलित किया जा सकेगा।

— जहाँ समर्थ प्रज्ञा परिजन हैं वहाँ उनने सुधारात्मक और सृजनात्मक कार्यों के लिए अपनी स्थिति के अनुरूप "प्रज्ञापीठ" भवन बना लिए हैं। उनके माध्यम से प्रौढ़ शिक्षा संवर्धन, बाल-संस्कार शाला, स्काउटिंग स्तर की स्वास्थ्य शिक्षा, सत्प्रवृत्ति संवर्धन, कुरीति उन्मूलन स्तर के सेवा कार्य नियमित रूप से होते रहते हैं। यह सभी प्रज्ञा संस्थान अपने सम्पर्क क्षेत्र में युग चेतना का आलोक विस्तृत करते रहते हैं।

— सभी सम्बद्ध परिजनों को सत्र शिक्षण योजना के अन्तर्गत सतत् हरिद्वार बुलाया जाता रहना है।

— यह सत्र विगत १८ वर्षों से अनवरत रूप से चल रहे हैं। व्यस्त लोग नौ दिन के लिए और सुविधा वाले एक मास के लिए आते हैं। साधना, स्वाध्याय, संयम सेवा के चारों पक्ष दिनचर्या में सम्मिलित रखते हैं।

— शांति कुंज कितनी ही सरकारी शिक्षण प्रक्रियाओं का भी केन्द्र है। इन सब की व्यवस्था सर्वथा निःशुल्क और परिपूर्ण मनोयोग के साथ की जाती है। यहाँ के वातावरण में अब तक हुए सभी शिविरों की सफलता का श्रेष्ठ मूल्यांकन किया जाता रहा है।

१. उत्तर प्रदेश शिक्षा विभाग, [अधिकारी एवम् प्रशिक्षक प्राचार्य आदि], २. इन्दिरा गाँधी ओपन यूनिवर्सिटी दिल्ली का रीजनल स्टडी सेण्टर, ३. नेशनल कौंसिल आफ एजुकेशनल रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग (एन॰ सी॰ ई॰ आर॰ टी॰) का प्रशिक्षण केन्द्र, ४. स्काउट गाइड ट्रेनिंग उत्तर प्रदेश, ५. खादी ग्रामोद्योग उत्तर प्रदेश, ६. ट्रांसपोर्ट एथारिटी उ॰ प्र॰, ७. मद्य निषेध विभाग उ॰ प्र॰, ८. उ॰ प्र॰ राज्य पथ परिवहन निगम।

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

www.awgp.org | www.vicharkrantibooks.org

— कुल मिलाकर विगत चार वर्षों में छह हजार से अधिक अधिकारीगण व्यक्तित्व परिष्कार की इस प्रक्रिया से गुजर चुके हैं। मैनेजमेण्ट का पाठ्यक्रम विगत वर्ष इनमें जोड़ा गया है। इस वर्ष दो हजार अधिकारियों का प्रशिक्षण प्रस्तावित है।

— बिना सरकारी अनुदान के अपने कार्य में जुटे रहने की गुरुदेव की प्रतिज्ञा रही है। अस्तु सरकारी प्रशिक्षण के मद में प्राप्त धन राशि को "प्राइम मिनिस्टर रिलीफ फण्ड" में जमाकर दिया जाता रहा है। यहाँ के प्रशिक्षणार्थियों से लॉजिंग, बोर्डिंग, शिक्षण, बिजली, पानी किसी का भी शुल्क नहीं लिया जाता। उदाहरण स्वयं गुरुदेव ने प्रस्तुत किया है, जिनने अपनी स्वतंत्रता-संग्राम सेनानी के नाते मिलने वाली पेंशन व सुविधायें शासन को वापस लौटा दी हैं।

कार्यकर्ताओं का समुच्चय:— दो घण्टा समय सृजन कार्यों में लगाने वाले लाखों लोग हैं जो अपने सम्पर्क परिकर को युग धर्म के अनुरूप प्रभावित करते रहते हैं।

— शन्ति कुञ्ज हरिद्वार में प्रायः २०० परिवार बसते हैं। इन्हीं के अनवरत प्रयासों से शान्ति कुञ्ज की प्रशिक्षण प्रक्रिया, कार्य क्षेत्र में प्रचार कार्यक्रम, स्थानीय व्यवस्था आदि से सम्बन्धित सभी कार्यक्रम भली प्रकार चलते रहते हैं।

— शान्ति कुञ्ज में स्वावलम्बन विद्यालय चलता है। जिसके माध्यम से परिवार के लोग मिलजुल कर आजीविका चला सकते हैं और घर पीछे एक आदमी पूरे समय के लिए सृजन कार्यों के लिए छोड़ सकते हैं। संगीत व सम्भाषण, सभा संचालन का शिक्षण भी यहाँ दिया जाता है।

— चल पुस्तकालयों की ज्ञानरथ योजना द्वारा सम्पर्क क्षेत्र के शिक्षितों को युग साहित्य पढ़ाने और वापिस लौटाने का क्रम नियमित रूप से चलता रहता है। बिना पढ़ों को पढ़कर सुनाया जाता है। इसके अतिरिक्त हर व्यक्ति दो को साक्षर बनाये, यह

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

संकल्प हर कार्यकर्ता को कराया जाता है। गैर सरकारी स्तर पर साक्षरता विस्तार का यह कार्यक्रम तेजी से गति पकड़ रहा है।

— कार्यकर्ता मण्डली में अधिकांश स्वावलम्बी और उच्च-शिक्षित हैं. जिनकी ब्राह्मणोचित आजीविका का प्रबन्ध आश्रम की ओर से रहता है। सभी पूरी लगन और उमंग के साथ अपने-अपने निर्धारित कार्यों में लगे रहते हैं। सभी स्वयं सेवक हैं। जाति पाँति का कोई भेद नहीं है।

अर्थ व्यवस्था:— देश के कोने-कोने में फैली सभी प्रज्ञा पीठों, मथुरा एवं हरिद्वार के केन्द्रीय आश्रमों का आवश्यक खर्च, उनके साथ जुड़े हुए कार्यकर्ताओं के स्वेच्छा सहयोग से चलता है। न्यूनतम दस पैसा और एक मुट्ठी अनाज, अधिक उत्साह होने पर महीने में एक दिन की आमदनी, यही है वह आर्थिक स्रोत जिसके आधार पर देश के अधिकांश भाग में फैला हुआ यह अभियान आवश्यक खर्च सुविधा पूर्वक पूरा करता रहता है।

— बिनोवा का वह कथन आरम्भ से ही ध्यान में रखा गया है, जिसमें वे कहते हैं कि संस्थाओं को तभी तक जीवित रहना चाहिए जब तक उनके सेवा कार्यों का मूल्यांकन जनता करती रहे और उन्हें सींचने के लिए अन्त-प्रेरणा से जल चढ़ाती रहे।

— इसी कसौटी पर अपने कर्मों और जनता के सहयोग का पर्यवेक्षण किया जाता रहता है। यही कारण है कि याचना के लिए किसी के सामने हाथ नहीं पसारना पड़ता। सहयोगी अपने अंशदान बिना माँगे ही पहुँचाते रहते हैं। पहिया रुकता नहीं।

इक्कीसवीं सदी:— यह एक सुनिश्चित तथ्य की तरह स्वीकारा गया है कि २१वीं सदी के भारत का भविष्य विशेषतया उज्ज्वल है। साथ ही बीसवीं सदी के अन्तिम वाले बारह वर्ष कठिनाइयों से भरे हुए भी हैं। इसके लिए अनौचित्य से जूझने और औचित्य के अभिवर्धन हेतु प्राणपण से कार्यरत सेवाभवी चाहिए। प्रस्तुत विचार क्रान्ति और सृजन प्रक्रिया के लिए करोड़ों की संख्या

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

www.awgp.org | www.vicharkrantibooks.org

में समर्पित लोकसेवी चाहिए। इस महती आवश्यकता हेतु एक लाख कार्यकर्ता जैसा छोटा अंशदान प्रस्तुत करने का निश्चय शान्ति कुञ्ज ने भी किया है। इसके लिए उपयुक्त व्यक्ति बनाने और उनमें अभीष्ट उत्साह भरने का कार्य समग्र तत्परता से किया जा रहा है। विश्वास किया जाता है कि लक्ष्य पूरा होकर रहेगा।

— शान्ति कुञ्ज में नित्य हजारों साधक एक साथ युग संधि पुरश्चरण संकल्प के अन्तर्गत साधना करते हैं। साथ ही नौ कुण्डी यज्ञशाला में नित्य प्रातः यज्ञ भी होता है। इस आयोजन के पीछे २१वीं सदी में उज्ज्वल भविष्य के संकल्प को साकार बनाना है।

— जन-जन में सृजनात्मक उत्साह उभारने के लिए जिस प्रकार द्वितीय युद्ध के समय इंग्लैंड में 'वी' फॉर विक्ट्री का नारा व्यापक बनाया गया था, उसी प्रकार भारत को प्रगति पथ पर तेजी से अग्रसर करने के लिए शान्ति कुञ्ज द्वारा इक्कीसवीं सदी बनाम उज्ज्वल भविष्य का उद्घोष जन-जन तक पहुँचाया जा रहा है।

— शान्ति कुञ्ज की प्रचार मण्डलियाँ गाँव-गाँव जातीं और स्थानीय जनता को एकत्रित करके युग चेतना का संदेश सुनाती है। इन गाड़ियों में चार—गायक वक्ता और एक ड्राइवर रहता है। मार्ग व्यय प्रायः जनता स्वेच्छा पूर्वक दे देती है। ये गाड़ियाँ वर्षा के तीन महीने छोड़कर शेष महीने प्रचार क्षेत्र में सत्प्रवृत्ति संवर्धन और दुष्प्रवृत्ति उन्मूलन के समर्थन में आवश्यक माहौल बनाती रहती है। अनुमान है कि वर्ष में इन गाड़ियों द्वारा प्रायः एक करोड़ व्यक्ति नव सृजन का संदेश सुनाते और हृदयंगम करते हैं।

— अपने समय में अध्यात्म तत्व दर्शन को विज्ञान के आधार पर प्रतिपादित करने पर ही इसे बुद्धिजीवियों को हृदयंगम कराया जा सकता है। इस प्रयोजन के लिए 'ब्रह्मवर्चस् शोध संस्थान" नामक एक समर्थ प्रयोगशाला शान्ति कुञ्ज के समीप ही खड़ी की गयी है। इस तिमंजिली इमारतों में बहुमूल्य उपकरणों की भरमार है। पोस्ट ग्रेजुएट स्तर के विभिन्न विधाओं के विशेषज्ञ-

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

www.awgp.org | www.vicharkrantibooks.org

चिकित्सक यहाँ काम करते हैं। शोध के निष्कर्ष ऐसे हैं, जिनसे नयी पीढ़ी को आस्तिक बनाने में सफलता मिलेगी। मनःशक्ति का सम्वर्धन मूलतः शोध का विषय है।

— चिकित्सा पद्धतियों में जड़ी-बूटी विज्ञान की अपनी गरिमा है। पर बहुत समय से उसके उपेक्षित रहने तथा आधुनिक अनुसंधानों का लाभ न मिलने से, इस उपचार से सर्व साधारण को एक प्रकार से वंचित ही रहना पड़ा है। शान्ति कुञ्ज ने जड़ी-बूटी उत्पादन से लेकर उनके गुणों का परीक्षण तथा प्रयोग करने तक की ऐसी पद्धति विकसित की है, जिसके आधार पर उसे एलोपैथी से कम महत्त्व नहीं दिया जाय। जड़ी-बूटी विज्ञान की अपनी अतिरिक्त प्रयोगशाला है और आयुर्वेद तथा एलोपैथी के निष्णात ही वैज्ञानिक उसका संचालन करते हैं।

— स्वराज्य के दिनों से लेकर अब तक आचार्य जी ने सुधार और उत्कर्ष के क्षेत्र में इतने अधिक प्रयोग और ठोस कार्य किये हैं, जिन्हें देखते हुए साधारण बुद्धि को यही सोचना पड़ता है कि एकाकी व्यक्तित्व अपने साथ इतनी बड़ी बागडोर किस प्रकार समेटे घसीटे फिर रहा है?

— ऊपर सर्वविदित और प्रत्यक्ष क्रिया कलापों की ही चर्चा हैं। इसके अतिरिक्त भी बहुत कुछ ऐसा है, जिसे दृश्य नहीं रहने के कारण चर्चा का विषय नहीं बनाया जा सकता है। जो कार्य दृश्यमान है, वे भी उनके चुम्बकीय व्यक्तित्व के ही परिणाम हैं, जिसे देखकर आश्चर्य होता है, पर गहराई में उतरने पर एक ही तथ्य सामने आता है कि सच्ची साधना का यह सच्चा चमत्कार भर है।

—बलराम सिंह परिहार
—युगान्तर चेतना प्रेस, शान्ति कुञ्ज,हरिद्वार

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

: युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य- संक्षिप्त परिचय :

ज्यादा जानकारी यहाँ से प्राप्त करें :
http://hindi.awgp.org/about_us

- **विचारक्रान्ति अभियान के प्रणेता** : विचारों को परिस्कृत और ऊँचा उथाने मे समर्थ 3000 से भी अधिक पुस्तकों के लेखन के माध्यम से विश्वव्यापी विचार क्रान्ति अभियान की शरुआत की ।
- **वेद, पुराण, उपनिषद के प्रसिद्ध भाष्यकार** : जिन्हों ने चारों वेद, 108 उपनिषद, षड दर्शन, 20 स्मृतियाँ एवं 18 पुराणों का युगानुकूल भाष्य किया, साथ ही 19 वाँ प्रज्ञा पुराण की रचना भी की ।
- **3000 से अधिक पुस्तकों के लेखक** : मनुष्य को देवता समान, घर-परिवार को स्वर्ग, समाज को सभ्य और समग्र विश्वराष्ट्र को श्रेष्ठ बनाने मे समर्थ हजारों पुस्तकें लिखकर समयानुकूल समर्थ मार्गदर्शन प्रदान किया ।

- **युग-निर्माण योजना के सूत्रधार** : जिन्होंने शतसूत्री युग निर्माण योजना बनाकर नये युग की आधार शिला रखी ।
- **वैज्ञानिक-अध्यात्मवाद के प्रणेता** : जिन्हों ने धर्म और विज्ञान के समन्वय की प्रथम प्रयोगशाला 'ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान' स्थापित कर सिद्ध किया कि "धर्म और विज्ञान विरोधी नहीं, पुरक है "।
- **'२१ वीं सदी : उज्जवल भविष्य' के उद्घोषक** : जिन्हों ने '२१ वीं सदी : उज्जवल भविष्य' का नारा दिया तथा युग विभीषिकाओं से भयग्रस्त मनुष्यता को नये युग के आगमन का संदेश दिया ।
- **स्वतंत्रता संग्राम के कर्मठ सैनानी** : जिन्हों ने महात्मा गाँधी, मदन मोहन मालवीय, गुरुवर रविन्द्रनाथ टैगोर के साथ राष्ट्र की स्वाधीनता के लिए संघर्ष किया एवं स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी "श्रीराम मत्त" के रुप में प्रख्यात हुए ।
- **गायत्री के सिद्ध साधक** : जिन्हों ने गायत्री और यज्ञ को रुढियों और पाखण्ड से मुक्त कर जन-जन की उपासना का आधार तथा सद्बुद्धि एवं सतकर्म जागरण का माध्यम बनाया ।
- **तपस्वी** : जिन्होंने गायत्री की कठोरतम साधना कर २४-२४ लाख के २४ महापुरश्चरण २४ वर्षो में सम्पन्न किया । प्रकृति प्रकोप को शांत कर अनिष्टों को टाला, सृजन सम्भावनाओं को साकार किया ।
- **अखिल विश्व गायत्री परिवार के जनक** : जिन्हों ने अपने जीवनकाल में ही अपने साथ करोडों लोगों को आत्मियता के सूत्र में बाँधकर विश्व व्यापी 'युग निर्माण परिवार' - 'गायत्री परिवार' का गठन किया ।
- **समाज सुधारक** : जिन्हों ने नारी जागरण, व्यसन मुक्ति, आदर्श विवाह, जाति-पाँति प्रथा तथा परंपरागत रुढियों की समाप्ति हेतु अद्भूत प्रयास किए एवं एक आदर्श स्वरुप समाज में प्रस्तुत किया ।
- **ऋषि परम्परा के उद्धारक** : जिन्हों ने इस युग में महान ऋषियों की महान परंपराओं की पुनर्स्थापना की । लुप्तप्राय संस्कार परंपरा को पुनर्जीवित कर जन-जन को अवगत कराया ।
- **अवतारी चेतना** : जिन्होंने "धरती पर स्वर्ग के अवतरण और मनुष्य में देवत्व के जागरण" की अवतारी घोषणा को अपना जीवन लक्ष्य बनाया और चेतना का ऐसा प्रवाह चलाया कि करोंडों व्यक्ति उस ओर चल पड़े ।

गायत्री परिवार जीवन जीने कि कला के, संस्कृति के आदर्श सिद्धांतों के आधार पर परिवार,समाज,राष्ट्र युग निर्माण करने वाले व्यक्तियों का संघ है। **वसुधैवकुटुम्बकम्** की मान्यता के आदर्श का अनुकरण करते हुये हमारी प्राचीन ऋषि परम्परा का विस्तार करने वाला समूह है गायत्री परिवार। एक संत, सुधारक, लेखक, दार्शनिक, आध्यात्मिक मार्गदर्शक और दूरदर्शी युगऋषि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी द्वारा स्थापित यह मिशन युग के परिवर्तन के लिए एक जन आंदोलन के रूप में उभरा है।

Free Download Complete Work Of Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya, Founder of All World Gayatri Pariwar
Books, Magazines, Articles, Stories, Poems, Great Personalities and many more at
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org